आयो मेलो बाबे को | by Raj Pareek

फागणिये का मेला आया उमड़ी भीड़ अपार
सिंहासन पर सजकर बैठ्या खाटू का सरदार
फागण की ग्यारस पे बाबो अजब ही माया ढावे
दिन में रंग चढ़े होली को रात दिवाली मनावे
बोलो खाटू नरेश की जय.....

आयो मेलो बाबे को मैं खाटू नगरी जावांगा
मन में लाडू फूट रया है श्याम का दर्शन पावांगा
रे फूट्या रे मोतीचूर का लाडू जाकर भोग लगावांगा
आयो मेलो बाबे को .....

रूप निराला श्याम धणी को बहुत ही प्यारो लागे है
श्याम दरस की प्यासी अँखियाँ इनकी प्यास बुझावाँगा
रे फूट्या रे मोतीचूर का लाडू जाकर भोग लगावांगा
आयो मेलो बाबे को .....

भीड़ मोकळी होवण लागी अब तो खाटू नगरी में
टाबरिया की पकडे आंगली मेले माये घुमावांगा
रे फूट्या रे मोतीचूर का लाडू जाकर भोग लगावांगा
आयो मेलो बाबे को .....

यादडली सतावे उनकी जो बाबा का प्रेमी है
मेले माये सब मिल जावां श्याम से मिलकर आवाँगा
रे फूट्या रे मोतीचूर का लाडू जाकर भोग लगावांगा
आयो मेलो बाबे को .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%8b-by-raj-pareek/